गुजरात जाएंट्स ने वॉरियर्स को हराया

- महिला प्रीमियर लीग में यूपी वॉरियर्स को 10 रन से हराया
- लिचफील्ड की संघर्षपूर्ण पारी बेकार गई

नवी मुंबई, 10 जनवरी. टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात जाएंट्स की शुरुआत आक्रामक रही।

ओपनर सोफी डिवाइन ने शुरुआत में ही तेज रन बटोरते हुए 38 रन बनाए और टीम को ठोस आधार दिया। उनके आउट होने के बाद कप्तान एश्ले गार्डनर ने मोर्चा संभाल लिया। गार्डनर ने अनुष्का शर्मा के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 103 रन की शानदार साझेदारी की, जिसने मैच की दिशा तय कर दी। गार्डनर ने 41 गेंदों में 65 रन की पारी खेली, जिसमें छह चौके और तीन छक्के शामिल थे। दूसरी ओर, अनुष्का शर्मा ने 30 गेंदों में 44 रन बनाकर उनका बेहतरीन साथ निभाया।

दोनों बल्लेबाजों ने रन गति को लगातार तेज रखा और यूपी वॉरियर्स के गेंदबाजों को कोई राहत नहीं दी। 18वें ओवर में गार्डनर के आउट होने के बाद जॉर्जिया वेयरहैम ने अंत में तूफानी बल्लेबाजी करते हुए महज 10 गेंदों में नाबाद 27 रन बनाए। भारती फुलमाली ने भी सात गेंदों में नाबाद 14 रन जोड़कर स्कोर को 200 के पार पहुंचा दिया। इस तरह गुजरात ने निर्धारित 20 ओवर में चार विकेट पर 207 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। यूपी की ओर से सोफी एक्लेस्टोन सबसे सफल गेंदबाज रहीं, जिन्होंने दो विकेट झटके। यूपी की लड़खड़ाती शुरुआत

208 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूपी वॉरियर्स की शुरुआत बेहद खराब रही। ओपनर किरण नवगिरे पांचवीं गेंद पर रेणुका सिंह का शिकार बन गईं। इसके बाद कप्तान मेग लैनिंग और फीबी लिचफील्ड ने दूसरे विकेट के लिए 70 रन की साझेदारी कर पारी को संभालने की कोशिश की। हालांकि, यह साझेदारी टूटते ही यूपी की पारी लड़खड़ा गई। लैनिंग (30), हरलीन देओल (0) और दीप्ति शर्मा (1) महज पांच गेंदों के भीतर पवेलियन लौट गईं। स्कोर 73/1 से अचानक 74/4 हो गया और टीम दबाव में आ गई।

गार्डनर-अनुष्का की धमाकेदार साझेदारी

लिचफील्ड की जुझारू पारी

फीबी लिचफील्ड ने इसके बाद श्वेता सहरावत के साथ 69 रन की साझेदारी कर यूपी को मुकाबले में बनाए रखा। लिचफील्ड ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 40 गेंदों में 78 रन बनाए, जिसमें आठ चौके और पांच छक्के शामिल थे। उनकी पारी ने एक समय मुकाबले को गुजरात के हाथों से लगभग खिसका दिया था, लेकिन 16वें ओवर में उनके आउट होते ही यूपी की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा।

अंत में कोशिश, लेकिन जीत दूर

आखिरी ओवरों में आशा शोभना ने 10 गेंदों में नाबाद 27 रन बनाकर संघर्ष जरूर किया, लेकिन आवश्यक रन रेट काफी ज्यादा था। अंतत: यूपी वॉरियर्स की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 197 रन ही बना सकी और मुकाबला 10 रन से हार गई। गुजरात की ओर से जॉर्जिया वेयरहैम, रेणुका सिंह और सोफी डिवाइन ने अहम विकेट चटकाकर टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गुजरात की संतुलित जीत

यह जीत गुजरात जाएंट्स के लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाली रही। बल्लेबाजी में गहराई, मध्यक्रम की मजबूती और डेथ ओवर्स में संयमित गेंदबाजी ने टीम को एक संतुलित इकाई के रूप में पेश किया। वहीं यूपी वॉरियर्स के लिए यह मुकाबला सीख देने वाला साबित हुआ। शानदार व्यक्तिगत प्रदर्शन के बावजूद टीम सामूहिक रूप से लक्ष्य हासिल करने में नाकाम रही.

अफ्रीका कप क्वार्टर फाइनल: मोरक्को का दमदार कदम

अफ्रीका कप ऑफ नेशंस के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मोरक्को ने कैमरून को पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश की ओर मजबूत कदम बढ़ा दिए।

यह जीत केवल स्कोरलाइन की कहानी नहीं थी, बल्कि मोरक्को की सामरिक समझ, टीम संतुलन और मानसिक परिपक्वता का प्रमाण भी बनी। इस्माइल सैबारी के निर्णायक गोल ने कैमरून की उम्मीदों पर पानी फेर दिया और मोरक्को को खिताब की दौड़ में एक बार फिर मजबूती से खड़ा कर दिया. मुख्य कोच वालिद रेग्रागुई की रणनीति, खिलाड़ियों का अनुशासन और पूरे मैच में बना रहा नियंत्रण इस मुकाबले की सबसे बड़ी पहचान रहा। मोरक्को ने यह दिखा दिया कि वह सिर्फ प्रतिभा के दम पर नहीं, बल्कि योजना और संयम के साथ बड़े मुकाबले जीतने वाली टीम बन चुकी है।

कोच वालिद रेग्रागुई ने इस अहम मुकाबले में वही 4-3-3 फॉर्मेशन बरकरार रखा, जो उन्होंने पिछले मैच में तंज़ानिया के खिलाफ अपनाया था। इस निरंतरता का सीधा फायदा टीम को मिला। खिलाड़ियों के बीच बेहतर तालमेल देखने को मिला और हर विभाग में संतुलन साफ नजर आया। विंग फॉरवर्ड्स ब्राहिम डियाज़ और एज अब्दे को इस सिस्टम में खुलकर खेलने की आज़ादी मिली, जिससे मोरक्को का आक्रमण लगातार कैमरून की रक्षा पंक्ति पर दबाव बनाता रहा। शुरुआती मिनटों से ही मोरक्को ने गेंद पर नियंत्रण स्थापित कर लिया और कैमरून को रक्षात्मक भूमिका में धकेल दिया। मध्य क्षेत्र में मोरक्को की तेज़ पासिंग और लगातार मूवमेंट ने कैमरून की रणनीति को कमजोर कर दिया। खास बात यह रही कि सोफ्यान अमराबात की अनुपस्थिति के बावजूद मोरक्को की मिडफील्ड अधिक चुस्त और गतिशील नजर आई।

एक नजर में

ओलंपियन दविंदर सिंह गरचा का निधन

जालंधर. ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भारतीय हॉकी का हिस्सा रहे विजेता दविंदर सिंह गरचा का शनिवार को निधन हो गया. सुरजीत हॉकी सोसाइटी के मुख्य कार्यकारी इकबाल सिंह संधू ने दविंदर सिंह के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए बताया कि उनके अंतिम संस्कार की तारीख और समय अभी तय नहीं हुआ है। सुरजीत हॉकी सोसाइटी के सभी सदस्यों ने शोकाकुल परिवार के सदस्यों के साथ संवेदना प्रकट करते हुए भगवान से प्रार्थना की कि इस अपूरणीय क्षति को सहने की हिम्मत और शक्ति दे और दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे। सात दिसंबर 1952 को जन्मे गरचा उस भारतीय हॉकी टीम का हिस्सा थे जिसने 1980 के समर ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था। इस टूर्नामेंट में उन्होंने कुल छह ओलंपिक मैचों में आठ गोल किए थे और सिर्फ तीन टूर्नामेंट खेलकर 30 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेले थे, जिसमें उन्होंने 19 गोल किए थे। वह मशहूर मोहिंदर सिंह मुंशी हॉकी टूर्नामेंट के अध्यक्ष थे।

भारत को न्यूजीलैंड से मिलेगी कड़ी चुनौती

कोटाम्बी स्टेडियम में 1.30 बजे शुरू होगा पहला वन-डे

वडोदरा, 10 जनवरी भारत का न्यूज़ीलैंड के साथ घरेलू हालात में खेलना, खासकर वनडे फ़ॉर्मेट में, एक तरह से जाना-पहचाना एहसास है।

रविवार को कोटाम्बी स्टेडियम में दोपहर 1.30 बजे शुरू होने वाला पहला वनडे, भारत को यह दिखाने का एक और मौका देगा कि वे अपनी जमीन पर इतनी मजबूत ताकत क्यों रहे हैं। न्यूज़ीलैंड को भारत का अपना पिछला वनडे दौरा ज़्यादा यादश्च नहीं रहेगा। 3-0 से व्हाइटवॉश ने अपनी कहानी खुद बयां की, और यह पैटर्न जारी रहा, जिसमें भारत ने दोनों टीमों के बीच पिछले पांच वनडे में से हर एक जीता। नंबर झूठ नहीं बोलते, और क्रिकेट में, वे अक्सर पहली गेंद फेंके जाने से पहले ही कहानी बता देते हैं। भारत इस सीरीज में एक मजबूत होम रन के दम पर आ रहा है। हाल ही में चार घरेलू वनडे सीरीज जीत चमक के बजाय कंसिस्टेंसी की बात करती हैं। दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ, भारत ने दम और मैच्योरिटी दोनों दिखाई - दो बार 300 पार किया और फिर आखिरी मैच में नौ विकेट हाथ में रहते हुए शांति से 271 का टारगेट चेज किया।

मेदवेदेव ब्रिस्बेन खिताब से दो कदम दूर

ब्रिस्बेन, 10 जनवरी दानिल मेदवेदेव शुक्रवार को धीमी शुरुआत से उबरने के बाद ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में अपने खिताब की दौड़ में बने रहे।

टॉप सीड खिलाड़ी को शुरू में पहले सेट में लकी लूजर कामिल माजच्रज़ाक ने पछाड़ दिया था, लेकिन उन्होंने 6-7(4), 6-3, 6-2 से जीत हासिल करने और सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करने के लिए अधिक आक्रामक तरीका अपनाया। मेदवेदेव, जो 2019 में ब्रिस्बेन में अपनी एकमात्र पिछली उपस्थिति में चैम्पियनशिप मैच में पहुंचे थे, 2025 के शानदार अंत के बाद इस सप्ताह अपनी 22वीं टूर-लेवल ट्रॉफी का पीछा कर4 रहे हैं। एटीपी रैंकिंग में पूर्व नंबर 1 खिलाड़ी मेदवेदेव ने कहा, मुझे लगता है कि यह एक उच्च गुणवत्ता वाला मैच था।

पीठ की चोट के कारण फोन्सेका एडिलेड में नहीं खेल पाएंगे

एडिलेड. जोआओ फोन्सेका ने एडिलेड इंटरनेशनल से नाम वापस लेने के बाद अपने 2026 सीजन की शुरुआत और टाल दी है. 19 साल के ब्राज़ीलियाई खिलाड़ी ने पिछले हफ़्ते पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण ब्रिस्बेन इंटरनेशनल से नाम वापस ले लिया था, और अब वह इसी वजह से एडिलेड में एटीपी 250 में भी नहीं खेलेंगे. फोन्सेका ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, फ़दुर्भाग्य से मैं यहां नहीं खेल पा रहा हूँ। यह फ़ैसला लेना मुश्किल है। मुझे लगा कि जिन दिनों हम प्रैक्टिस कर रहे थे, हर दिन थोड़ा बेहतर महसूस हो रहा था, लेकिन यह कहना मुश्किल है कि मैं सौ प्रतिशत ठीक हूँ. उन्होंने कहा, हम ऑस्ट्रेलियन ओपन खेलने के लिए सौ प्रतिशत ठीक होने की पूरी कोशिश कर रहे हैं, जो हमारा मुख्य लक्ष्य है। वह फ़ैसला अभी नहीं लिया गया है। हम खेलना चाहते हैं, हमें लगता है कि यह संभव होगा। इसलिए हम रिकवरी पर ध्यान देना चाहते हैं, और दुर्भाग्य से मैं यहां नहीं खेल सका, और मुझे उम्मीद है कि अगले साल और मजबूत होकर वापस आऊँगा।

सेमीफाइनल में हारीं पीवी सिंधु

बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 टूर्नामेंट में भारतीय अभियान समाप्त

कुआलालंपुर (मलेशिया), 10 जनवरी दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को शनिवार को मलेशिया ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में महिला एकल के सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा।

इसी के साथ सीजन के पहले बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 टूर्नामेंट में भारत का अभियान खत्म हो गया।

आज यहां स्टेडियम एक्सियाटा एरिना में खेले गये सेमीफाइनल में विश्व बैडमिंटन रैंकिंग में नंबर 18 पर मौजूद पीवी सिंधु महिला एकल में दूसरे नंबर पर मौजूद चीन की वांग झेई से 21-16, 21-15 से हार गईं। पहला गेम में दोनों खिलाड़ियों ने शुरुआती पलों में एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दी। लेकिन पीवी सिंधु की बिना वजह की गलतियों ने वांग झेई को 14-14 से आगे बढ़कर 18-14 की बढ़त बनाने का मौका दिया और फिर उन्होंने जीत के साथ गेम खत्म कर दिया।

दूसरे गेम की शुरुआत में वांग झेई ने थोड़ी बढ़त बनाई, लेकिन भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने वापसी करते हुए मिड-गेम ब्रेक में 11-6 की बढ़त ले ली। ब्रेक के बाद वांग झेई ने फिर से वापसी की, क्योंकि सिंधु की कई बिना वजह की गलतियों ने चीनी शटलर को मैच में पकड़ बनाने का मौका दिया और उन्होंने सीधे गेम में मैच खत्म कर दिया।

माझी मुंबई ने शुरू किया खिताबी रक्षा का अभियान

सूरत, 10 जनवरी. भारतीय सिनेमा के मेगास्टार्स और सुपरस्टार्स कीमाझी मौजूदगी से सूरत के लालभाई कॉन्ट्रैक्टर स्टेडियम में शुक्रवार को इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग (आईएसपीएल) के तीसरे संस्करण का भव्य आगाज़ हुआ।

भव्य उद्घाटन समारोह के बाद हाई-वोल्टेज टी10 क्रिकेट के महीने भर चलने वाले रोमांच का आग़ाज़ हुआ, जिसमें डिफेंडिंग चैंपियन माझी मुंबई ने श्रीनगर के वीर के खिलाफ शानदार अंदाज में अपनी खिताबी रक्षा के सफर की शुरुआत की। कम स्कोर वाले रोमांचक मुकाबले में माझी मुंबई ने अनुशासित गेंदबाज़ी के दम पर 59 रनों के छोटे लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव किया। प्लेयर ऑफ द मैच इजाज अहमद (3/9) की अगुवाई में मुंबई ने श्रीनगर को 9.5 ओवर में 46 रन पर समेट दिया। श्रीनगर की ओर से हर्ष अडसुल ने सर्वाधिक 13 रन बनाए.

हैमस्ट्रिंग चोट के कारण वस्त्रकर दो हफ्ते के लिए डब्ल्यूपीएल से बाहर

दिल्ली. भारत और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की तेज गेंदबाज पूजा वस्त्रकर हैमस्ट्रिंग चोट के कारण विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के पहले दो हफ्ते नहीं खेल पाएंगी। आरसीबी ने 2026 सीजन का अपना पहला मैच शुक्रवार रात को खेला, जिसमें उन्होंने डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस (एमआई) को एक रोमांचक आखिरी ओवर में तीन विकेट से हराया। आरसीबी के हेड कोच मालोलन रंगराजन ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, मुझे लगता है कि बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से रिलीज होने से दो दिन पहले, दुर्भाग्य से उनकी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया। अभी हमारे पास जो जानकारी है, उसके अनुसार उन्हें दो हफ्ते और लगेंगे। यह हैमस्ट्रिंग की समस्या है। वह अपने कंधे के लिए वहां थीं और अब यह हैमस्ट्रिंग की समस्या है। इसलिए यह हफ्ते-दर-हफ्ते की प्रक्रिया है। तो देखते हैं कि वह किस स्थिति में हैं। वस्त्रकर ने अपना आखिरी प्रतियोगी मैच अक्टूबर 2024 में टी-20 विश्व कप में खेला था।

दबदबा बरकरार सबालेंका लगातार तीसरे साल ब्रिस्बेन फाइनल में, खिताब बचाने से एक कदम दूर

ब्रिस्बेन में फिर चमकीं आर्यना सबालेंका

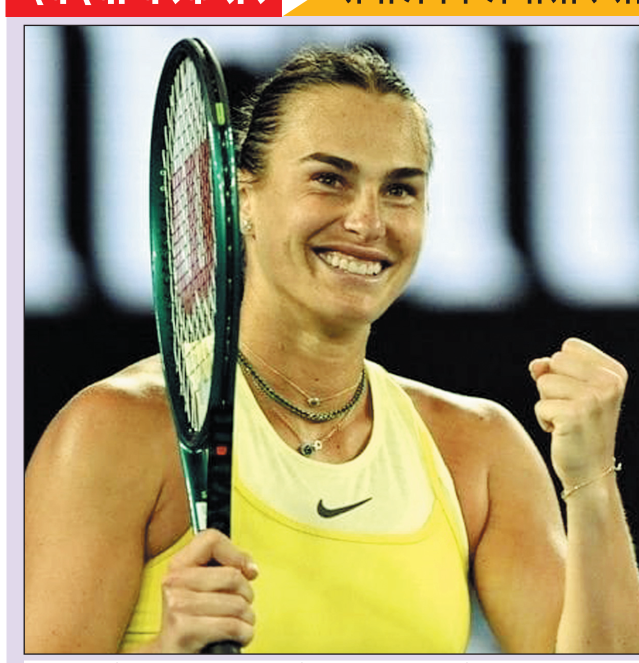

दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी ने मुचोवा को सीधे सेटों में हराया

ब्रिस्बेन, 10 जनवरी. डिफेंडिंग चैंपियन और विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में अपना दबदबा बरकरार रखते हुए लगातार तीसरे साल फाइनल में जगह बना ली है।

शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल में उन्होंने चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा को 6-3, 6-4 से हराकर खिताब की दौड़ में खुद को मजबूती से बनाए रखा। अब रविवार को उनका सामना यूक्रेन की मार्टा कोस्त्युक से होगा, जो टूर्नामेंट में शानदार लय में नजर आ रही हैं। फाइनल में सबालेंका की हैट्रिक एंट्री सबालेंका ने यह मुकाबला सिर्फ एक घंटे 29 मिनट में जीतकर दिखा दिया कि वह क्यों दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी हैं। पूरे मैच में उन्होंने 32 विनर लगाए और अपनी पहली सर्विस पर 88 प्रतिशत अंक जीते। यह जीत उन्हें लगातार तीसरे साल बिना कोई सेट गंवाए ब्रिस्बेन फाइनल तक ले आई है, जो उनके करियर की निरंतरता और मानसिक मजबूती को दर्शाता है।

2023 की शुरुआत से ऑस्ट्रेलिया में खेले गए सभी सात टूर्नामेंटों में सबालेंका फाइनल तक पहुंच चुकी हैं। इस दौरान उनका रिकॉर्ड 37 जीत और सिर्फ दो हार का रहा है, जो किसी भी खिलाड़ी के लिए असाधारण आंकड़ा माना जाता है।

सबालेंका का आत्मविश्वास

मैच के बाद कोर्ट पर सबालेंका ने कहा कि मैंने सच में बहुत मेहनत की है। उसके खिलाफ हर मैच जीतने का एक और मौका मिलना मेरे लिए खास होता है और आज का दिन मेरे लिए वही दिन था। चार साल में तीसरा ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने का लक्ष्य बना चुकी सबालेंका के लिए ब्रिस्बेन इंटरनेशनल आत्मविश्वास बढ़ाने वाला मंच साबित हो रहा है।

कोस्त्युक का धमाकेदार प्रदर्शन

दूसरी ओर, यूक्रेन की मार्टा कोस्त्युक ने सेमीफाइनल में अमेरिका की जेसिका पेगुला को महज 55 मिनट में 6-0, 6-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। यह मुकाबला एकतरफा रहा, जिसमें कोस्त्युक ने शुरुआत से ही नियंत्रण अपने हाथ में रखा।

पहले सेट में उन्होंने शुरुआती 19 में से 17 अंक जीतकर 10 मिनट में 4-0 की बढ़त बना ली। लगातार 13 अंकों की स्ट्रीक ने पेगुला को मानसिक रूप से पूरी तरह बैकफुट पर धकेल दिया।